भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2258

गुरुवार, दिनांक 10 मार्च, 2016 को उत्तर देने हेतु

<u>सौर शहर</u>

2258. श्री रमेश बिधूड़ीः
श्री राजन विचारेः
श्री दुष्यंत चौटालाः
श्री नाना पटोलेः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का नए सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना और दिल्ली सहित देश भर में 60 शहरों को सौर शहर के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार स्थानों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त प्रयोजन हेतु दिल्ली सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कितना बजटीय आबंटन किया गया है/किए जाने का प्रस्ताव है;

(ग) क्या सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली को अपने सचिवालय में प्रकाश हेतु सौर ऊर्जा के उपयोग करने की अनुमति प्रदान कर दी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व को पूरा किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत, कोयला तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री पीयूष गोयल)

(क) जी हां। सरकार ने देश में वर्ष 2022 तक 1,00,000 मेगावाट पीक सौर विद्युत संयंत्रों की संस्थापना करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। देश में अभी तक कुल 5775 मेगावाट पीक क्षमता के सौर विद्युत संयंत्रों की संस्थापना की गई है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) 'सौर शहरों का विकास' पर एक कार्यक्रम कार्यान्वित कर रहा है और इस कार्यक्रम के अन्तर्गत नई दिल्ली (एनडीएमसी क्षेत्र) सहित 60 शहरों को मंजूरी प्रदान की गई है। सौर शहरों के राज्य/संघ राज्य-क्षेत्रवार ब्यौरे अनुलग्नक में दिए गए हैं।

(ख) ग्रिड इंटरएक्टिव सौर विद्युत के लिए 1716 करोड़ रु. का बजटीय आबंटन किया गया है। एमएनआरई द्वारा राज्य/संघ राज्य-क्षेत्रवार निधियाँ आबंटित नहीं की जाती हैं।

(ग) सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली के सचिवालय भवन में सौर ऊर्जा का उपयोग करने के लिए 3 मेगावाट पीक के सौर विद्युत संयंत्र को मंजूरी प्रदान की गई है।

(घ) एमएनआरई के अधीन कार्यरत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था (इरेडा) द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा है। अभी तक इरेडा द्वारा सीएसआर के अन्तर्गत कुल 3.24 करोड़ रु. की धनराशि के साथ 12 परियोजनाएं मंजूर की गई हैं।

अनुलग्नक

दिनांक 10.03.2016 के लोकसभा अतारांकित प्रश्न सं.2258 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

“सौर शहरों का विकास कार्यक्रम” के अन्तर्गत चयनित सौर शहरों की सूची

क्र.सं.	राज्य	स्वीकृत सौर शहर
1	आंध्र प्रदेश	1. विजयवाड़ा
		2. नरसापुर टाउन
		3. काकीनाडा
2	असम	4. गुवाहाटी
		5. जोरहाट
3	अरुणाचल प्रदेश	6. ईटानगर
4	बिहार	7. गया
5	चंडीगढ़	8. चंडीगढ़
6	छतीसगढ़	9. बिलासपुर
		10. रायपुर
7	गुजरात	11. राजकोट
		12. गांधीनगर
		13. सूरत
8	गोवा	14. पणजी शहर
9	हरियाणा	15. गुडगाँव
		16. फरीदाबाद
10	हिमाचल प्रदेश	17. शिमला
		18. हमीरपुर
1 1	कर्नाटक	19. मैसूर
		20. हुबली -धारवाड
12	केरल	21. तिरुवनंतपुरम
		22. कोच्चि
13	महाराष्ट्र	23. नागपुर
		24. थाणे
		25. कल्याण-डोंबिवली
		26. औरंगाबाद
		27. नांदेड़
		28. शिरडी
		29. पुणे

14	मध्य प्रदेश	30. इंदौर
		31. ग्वालियर
		32. भोपाल
		33. रीवा
		34. जबलपुर
15	मणिपुर	35. इंफाल
16	मिजोरम	36. आइजोल
17	नगालैंड	37. कोहिमा
		38. दीमापुर
18	दिल्ली	39. नई दिल्ली (एनडीएमसी क्षेत्र)
19	उड़ीसा	40. भुवनेश्वर
20	पंजाब	41. अमृतसर
		42. लुधियाना
		43. एसएएस नगर (मोहाली)
21	राजस्थान	44. अजमेर
		45. जयपुर
		46. जोधपुर
22	तमिलनाडु	47. कोयम्बटूर
23	तेलंगाना	48. महबूबनगर
24	त्रिपुरा	49. अगरतला
25	उत्तराखंड	50. देहरादून
		51. हरिद्वार और ऋषिकेश
		52. चमोली - गोपेश्वर
26	उत्तर प्रदेश	53. आगरा
		54. मुरादाबाद
		55. इलाहाबाद
27	पश्चिम बंगाल	56. हावड़ा
		57. मध्यमग्राम
		58. न्यू टाउन कोलकाता
28	जम्मू-कश्मीर	59. लेह
29	पुडुचेरी	60. पुडुचेरी

*****